सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो। क्योंकि सोच किसी के बाप की जागीर नहीं हैं।
-धीरूभाई अंबानी

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 246 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 13 अक्टूबर, 2023

डिकाक-रबादा ने किया कंगारूओं... 7 | आम से लेकर खास पर चढ़ रहा... 3 | पर्दा डालने से नहीं छिपेगा... 2

राजस्थान में ईडी की छापेमारी से गरमाई सियासत

कांग्रेस बोली- गहलोत सरकार को डराना चाहते हैं मोदी

बीजेपी ने कहा- किया है भ्रष्टाचार तो चुकानी होगी कीमत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में विधान सभा चुनावों की तारीख घोषित हो चुकी है उसके बाद से वहां पर कांग्रेस व भाजपा में राजनीतिक वार-पलटवार भी शुरू हो गया। वहीं मोदी सरकार ने गहलोत सरकार के ऊपर ईडी के सहारे दबाव बनाना भी शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पेपर लीक मामले में ईडी की सक्रियता से प्रदेश में हड़कंप की स्थिति पैदा हो गई है। कांग्रेस नेताओं के करीबियों के घर कार्रवाई चल रही है। दिनेश खोड़निया, स्पर्धा चौधरी और अशोक जैन के नौ ठिकानों पर कार्रवाई की सूचना मिली है।

बता दें कि पेपर लीक मामले में शुक्रवार सुबह प्रदेश के तीन शहरों में ईडी की कार्रवाई शुरू हुई तो खबर आग की तरह पूरे प्रदेश में फैल गई। कहा जा रहा है कि कांग्रेस सीनियर नेताओं के करीबियों के घर और दफ्तर सहित नौ ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई हो रही है। यह सभी जगह दिनेश खोड़निया, स्पर्धा चौधरी और अशोक जैन के बताए जा रहे हैं, जिसमें से दिनेश खोड़निया मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी बताए जा रहे हैं। वहीं, स्पर्धा चौधरी पेपर लीक सरगना सुरेश ढाका की महिला मित्र हैं और अशोक जैन भी एक कांग्रेस नेता के करीबी हैं। ईडी सूत्रों के अनुसार, पेपर लीक में शामिल आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा और मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण को ईडी ने पिछले दिनों रिमांड पर लिया था। बाबूलाल ने पूछताछ में कुछ अन्य लोगों की जानकारी ईडी को दी थी। बाबूलाल कटारा से हुई पूछताछ के बाद ईडी ने भूपेंद्र सारण को तीन दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी। भूपेंद्र सारण से भी पूछताछ की गई थी, बाबूलाल कटारा और भूपेंद्र सारण जानते हैं कि और कौन लोग पर्दे के पीछे थे। रिमांड के दौरान दोनों से मिली जानकारी को दिल्ली ईडी कार्यालय में भिजवाया गया।

» पेपर लीक मामले में एशन, सीएम के करीबी कांग्रेस नेता के ठिकानों पर रेड

दिल्ली व गुजरात की टीम को जयपुर में छापेमारी को भेजा

एक गोपनीय दल ने दिनेश खोड़निया, अशोक जैन और स्पर्धा चौधरी की पिछले सात दिन तक जांच की। जांच में इनके बैंक डिटेल, बैक ग्राउंड, कॉनटैक्ट, आगामी विधानसभा चुनाव में इनकी भूमिका की जांच की गई। इसके अलावा सिविल लाइन में कई वरिष्ठ नेताओं के संपर्क की जानकारी ईडी को मिली। इस पर दिल्ली और गुजरात की टीम को जयपुर में छापेमारी के लिए भेजा गया। ईडी को सर्च के दौरान सबूत मिलने पर सभी को ईडी मुख्यालय में आने के नोटिस दिए जा सकते हैं। नोटिस के बाद ईडी मुख्यालय में आकर ईडी के सवालों के जवाब देने होंगे।

सीएम से जुड़े हैं सभी : किरोड़ीलाल

पेपर लीक पर ईडी की कार्रवाई शुक्रवार सुबह से प्रदेश के तीन शहर और नौ ठिकानों पर चल रही है। ऐसे में डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने दावा किया है कि उनके पास उस जगह का पता है, जहां करोड़ों की नकदी और ढेरों सोना रखा हुआ है। मीणा अपने साथ प्रेस को लेकर उस स्थान पर पहुंच रहे हैं, जहां डॉ किरोड़ीलाल दावा कर रहे हैं कि काला धन रखा हुआ है। किरोड़ीलाल ने दावा किया है कि उनके धरना देने से श्वष्ठ की नजर में वो जगह आएगी और काला धन पकड़ा जाएगा। डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने दावा किया है कि पेपर लीक के तार मुख्यमंत्री से भी जुड़े हैं। क्योंकि दिनेश खोड़निया मुख्यमंत्री गहलोत का करीबी हैं और उनके काले पैसे का हिसाब रखता है।

बटन कमल पर दबेगा, वीवीपेट से अडानी निकलेगा : पवन खेड़ा

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है। कांग्रेस और बीजेपी में सीधा मुकाबला है। बीजेपी ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र चुनावी घोषणा के एक महीने पहले ही जारी किया। वहीं अब चुनाव घोषणा हो गई है, तो कांग्रेस ने भी बीजेपी के खिलाफ पर्चा जारी किया है। ये पर्चा काफी दिलचस्प है, क्योंकि इसमें कांग्रेस ने गौतम अडानी के मामले को चुनावी मुद्दा बनाया है। कांग्रेस ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी को वोट देने का मतलब बटन कमल पर दबेगा, वीवीपेट से अडानी निकलेगा। दरअसल गुरुवार को कांग्रेस मीडिया विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन खेड़ा ने रायपुर के प्रदेश कांग्रेस भवन में प्रेस कॉन्फ्रेस की। उन्होंने कांग्रेस सरकार की योजनाओं को ब्रह्मास्त्र बताया है। वहीं वो बीजेपी पर भी जमकर बरसे, पवन खेड़ा ने कहा बीजेपी को वोट देने का मतलब छत्तीसगढ़ की संपदा अडानी को सौपना. छत्तीसगढ़ के बाक्साइट, आयरनओर, कोयला, देवभोग का हीरा खदान, राज्य की सीमेंट कम्पनियां, पावर प्लांट सभी पर अडानी कब्जा करना चाहते हैं।

पांच साल तक घपले, घोटाले के अलावा कुछ नहीं किया : बीजेपी

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता अच्छी तरह जानती है कि कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने 5 साल तक घपले, घोटाले, कमीशनबाजी, भ्रष्टाचार और माफियाराज चलाने के अलावा कुछ नहीं किया है। वो (पवन खेड़ा) बघेल सरकार के पापों पर पर्दा डालने की जो कोशिश कर रहे हैं, वह सिरे नहीं चढ़ने वाली। उन्हें भ्रम हो गया है कि वो छत्तीसगढ़ की जनता को सीएम भूपेश बघेल के गुणगान सुना जाएंगे और यहां की जनता उनकी बातें सुन लेगी। बीजेपी महामंत्री ने कहा कि भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार का विश्व व्यापी कीर्तिमान स्थापित किया है, इसे देखकर जरूर सारी दुनिया अचरज में है। अब उनकी सरकार को छत्तीसगढ़ की जनता सड़क पर लाने के लिए बेताब है।

हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से झटका

» ईडी के समन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। पहले सुप्रीम कोर्ट और अब झारखंड हाई कोर्ट से उन्हें तगड़ा मिला है। ईडी के समन के खिलाफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका को झारखंड हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

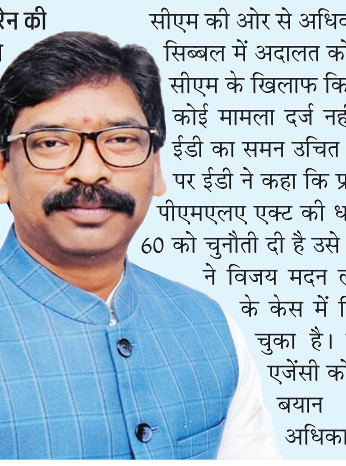

आज हुई सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि सीएम ने समन का पहले ही उल्लंघन किया है। वह किसी भी समन पर उपस्थित नहीं हुए हैं। ऐसे अब समन को चुनौती देने का कोई औचित्य नहीं हैं इसलिए उन्हें राहत नहीं दी जा सकती है।

सीएम की ओर से अधिवक्ता कपिल सिब्बल में अदालत को बताया कि सीएम के खिलाफ किसी तरह का कोई मामला दर्ज नहीं है ऐसे में ईडी का समन उचित नहीं है। इस पर ईडी ने कहा कि प्रार्थी ने जिस पीएमएलए एक्ट की धारा 50 और 60 को चुनौती दी है उसे सुप्रीम कोर्ट ने विजय मदन लाल चौधरी के केस में डिसाइड कर चुका है। इसके तहत एजेंसी को समन और बयान लेने का अधिकार है। ऐसे में हाई कोर्ट इस मामले में कोई आदेश नहीं दे सकता है। अदालत ने हेमंत सोरेन की याचिका को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कही थी हाईकोर्ट जाने की बात

इससे पहले बीते 18 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका पर सुनवाई हुई थी। मुख्यमंत्री ने उस दौरान कोर्ट से अंतरिम राहत देने की बात की थी, तब सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें हाई कोर्ट में जाने की सलाह दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कहना है कि ईडी उन्हें केंद्र सरकार के इशारों पर दूसरे-दूसरे मामलों में तलब कर बस परेशान कर रही है। वह इससे पहले ईडी की जांच में सहयोग कर चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट में टली अडानी-हिंडनबर्ग मामले की सुनवाई

अगली बहस 20 अटूबर को होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज अडानी-हिंडनबर्ग मामले की सुनवाई टल गई है। सुप्रीम कोर्ट में अब इस मामले की सुनवाई 20 अक्टूबर 2023 को होगी। सूत्रों के मुताबिक ये जानकारी सामने आई है।

सुप्रीम कोर्ट में आज अडानी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी की जांच रिपोर्ट को पेश किया जाना था। सुप्रीम कोर्ट को अडानी-हिंडनबर्ग मामले की सुनवाई करनी थी। इसमें मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा दायर ताजा स्थिति रिपोर्ट पर विचार की जानी थी। अगस्त में, सेबी ने अदालत को बताया था कि उसने अदानी समूह के खिलाफ दो को छोड़कर सभी आरोपों की जांच पूरी कर ली है. इसके अलावा विदेशी संस्थाओं के पीछे के वास्तविक मालिकों के बारे में पांच टैक्स हेवेन देशों से जानकारी का इंतजार कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट में अडानी-हिंडनबर्ग मामले की सुनवाई होने के असर से आज सुबह से ही अडानी शेयरों में गिरावट हावी दिख रही है। इस के बीच अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर आज सुबह से ही दबाव में दिख रहा था और इसमें शुरुआती कुछ घंटों में ही 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ गई।

पर्दा डालने से नहीं छिपेगा सरकार का भ्रष्टाचार

» बोले- रिवरफ्रंट और म्यूजियम को एलडीए ने बर्बाद कर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। चीजों को ढककर वह अपना भ्रष्टाचार नहीं छिपा सकतीहै। सपा मुखिया ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र में जयप्रकाश की प्रतिमा को ढकने पर सवाल उठाते हुए कहा कि पालीथीन से लपेट देना, टीन शेड लगा देने और गेट पर ताला लगाने के पीछे उनकी क्या नियत थी। क्या छुपाना चाहते थे? अखिलेश ने कहा कि गोमती रिवरफ्रंट और समाजवादी म्यूजियम को एलडीए और भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया है।

इनमें जनता का पैसा लगा है। दोनों अपना भ्रष्टाचार छिपा नहीं सकते। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी में लोकनायक का म्यूजियम है। समाजवाद का संग्रहालय है। सपा संग्रहालय को नष्ट कर दिया। आखिर क्या कारण है कि एलडीए और सरकार उस म्यूजियम को बंद कर रही है। जेपी की जिंदगी से जुड़ी सामग्री उसमें सहेजी गई है। अगर नीयत साफ होती तो जेपी को पालीथीन से नहीं ढकते। सरकार और एलडीए अपना भ्रष्टाचार और नाकामी छिपा रहे हैं। जेपी सेंटर का गेट फांदने पर एफआईआर के सवाल पर सपा प्रमुख ने मीडिया से कहा कि केवल हमने ही गेट नहीं फांदा। आप ने भी फांदा। एफआईआर हम पर होगी तो आप पर भी होगी। 56वीं पुण्यतिथि पर रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि लोहिया जी की विचारधारा हमेशा प्रासंगिक रहेगी। सामाजिक अन्याय और विषमता के विरूद्ध उनकी 'सप्तक्रांति' की अवधारणा को अपनाते हुए समाजवादी पार्टी उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। उनके साथ महासचिव शिवपाल सिंह यादव, रामगोविन्द चौधरी, राजेन्द्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल ने भी श्रद्धांजलि दी।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि अगर उन्होंने जनता के लिए काम किया होता तो प्रदेश की जनता कोई इलाज के लिए दर दर न भटकना पड़ता। वहीं ब्रजेश पाठक के द्वारा अखिलेश यादव को राजा बोले जाने पर उन्होंने कहा ये लोकतंत्र नहीं हैं यहां राजा कोई नहीं होता हैं।

इंडिया गठबंधन में सीटें बड़ा मुद्दा नहीं

इंडिया गठबंन पर अखिलेश यादव ने कहा कि जब साथ आने की बात हो गई, गठबंधन की बात हो गई तो सीटों का भी कोई बड़ा मसला हीं है। भाजपा को घबराहट है कि उसका सफाया होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकतांत्रिक मूल्यों को चोट पहुंचाई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए और इंडिया गठबंधन भाजपा का सफाया कर देगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व विधायक और शाहजहांपुर के मजबूत नेता अवधेश कुमार वर्मा सपा में शामिल होने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह शाजजहांपुर में सपा के कार्यक्रम को सफल बनाएंगे।

अस्पतालों का सत्यानाश कर दिया

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक पर तंज कसते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अस्पतालों का सत्यानाश कर दिया। लोहिया अस्पताल या किसी भी सरकारी अस्पताल चले जाइए। एक भी गरीब का इलाज नहीं हो रहा है। बोले कि रसूलाबाद जाकर देखेंगे कि सपा सरकार में सीएचसी में लगी लिफ्ट चलती है या नहीं। उन्होंने कहा कि हम लोग सर्वेंट डिप्टी चीफ मिनिस्टर का जवाब नहीं देते। इसके जिम्मेदार मुख्यमंत्री हैं।

सपा प्रमुख के बयान पर डिप्टी सीएम का पलटवार

मैं जनता का नौकर हूं, अखिलेश राजा : पाठक

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया है। पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव ने सही कहा है। मैं जनता का सेवक और नौकर हूं। लेकिन अखिलेश यादव तो राजघराने में पैदा हुए राजा हैं। सपा प्रमुख ने बृहस्पतिवार को मीडिया को दिए बयान में ब्रजेश पाठक को सर्वेंट डिप्टी सीएम करार दिया था। उन्होंने जनता का नौकर बताने के लिए अखिलेश का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश को आम जनता से कोई लेना-देना नहीं है, सिर्फ कोरी बयानबाजी करना जानते हैं। कहा कि, अखिलेश तो राज परिवार से हैं, उनके पिता कई बार मुख्यमंत्री रहे, वे स्वयं भी सीएम रहे हैं।

शिंदे को नक्सलियों से मरवाने की साजिश थी : गायकवाड़

» उद्धव ठाकरे पर विधायक संजय गायकवाड़ का सनसनीखेज आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड ने सनसनीखेज आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे सरकार के दौरान एकनाथ शिंदे को नक्सलियों से मरवाने की साजिश थी। गायकवाड ने कहा कि उद्धव सरकार में एकनाथ शिंदे गडचिरौली जिले के पालक मंत्री थे। उन्हें नक्सलियों से धमकी मिल रही थी, इसलिए शिंदे को जेड प्लस सुरक्षा देने पर बात चल रही थी, लेकिन ठाकरे ने फोन करके शिंदे को मिलने वाली सुरक्षा रोक दी।

गायकवाड के इन आरोपों का मंत्री शंभूराज देसाई ने समर्थन किया है। उन्होंने

मीडिया से कहा कि शिंदे को एक बार नहीं, दो बार धमकी भरे पत्र आए थे। वह पत्र पुलिस के सुपुर्द किए गए थे। उन पत्रों में शिंदे के परिवार का भी उल्लेख था। इस मुद्दे पर विधानसभा में भी चर्चा हुई थी। चर्चा के बाद पीठासीन अधिकारी ने इस पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इसके बाद बैठक बुलाई गई थी।

मनुवादी लोगों से सतर्क रहना होगा: रोहिणी

» सम्राट पर साधा निशाना, कहा- मुरैठा बांध लेने से कोई झूठा लबार बेदाग नहीं हो जाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के कैंसर वाले बयान के बाद अब इस जंग में लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी भी अपने पिता के पक्ष से कूद पड़ी है। उसने एक्स के माध्यम से सम्राट चौधरी पर जुबानी हमला किया है। रोहिणी आचार्या ने कहा कि गरीब वंचित पिछड़े शोषित समाज को बहुजन के भेष में छिपे इन जैसे मनुवादी लोगों से सतर्क रहना होगा क्योंकि सत्ता के ये ऐसे भूखे भेड़िये हैं जो ईमान को तब तक निलाम करते रहते हैं जब तक इनके स्वार्थी की पूर्ति होती रहे।

सम्राट चौधरी ने बयान देने के क्रम में बिना नाम लिए लालू प्रसाद यादव को कैंसर से संबोधित करने के बाद अब चोर कह दिया। इस बात से बौखला कर लालू प्रसाद यादव की बेटी ने सम्राट चौधरी पर पलटवार करते हुए कहा कि मुरेट्ठा बांध लेने से कोई झूठा लबार बेदाग नहीं हो जाता है, और न ही उसकी पृष्ठभूमि बेदाग और साफ हो जाती है। उन्होंने कहा कि जो इंसान खुद अपनी जमीर की नीलामी की बोली लगाकर बहुजन समाज के हितों पे कुठराघात करने वाली पार्टी का चरण पादुका बना हुआ हो तो फिर वो भला कैसे लव-कुश समाज के हितों का शुभचिंतक हो सकता है।

शकुनी चौधरी सेना का भगोड़ा था

मीडिया से बात करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि मैं चोर का बेटा नहीं, फौजी का बेटा हूं, जो चोर का बेटा हो वो डरे। इसके जवाब में रोहिणी ने एक्स पर जवाब दिया है कि उसके बाप के बारे में तो पूरी दुनिया जानती है कि वह सेना का भगोड़ा था और भागने के पश्चात् कोर्ट - मार्शल से बचने के लिए उसने अपनी पहचान छुपाई थी। उसने कागजी तौर पर अपना असली अस्तित्व ही मिटा दिया था।

आप को खत्म कर देना चाहते हैं पीएम : केजरीवाल

» बोले- प्रधानमंत्री इंसान को इंसान ही नहीं समझते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड के बाद मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्र सरकार पर हमला बोला। केजरीवाल के मुताबिक, प्रधानमंत्री की कोशिश आप को कुचलकर खत्म कर देने की है। अमानतुल्लाह खान के यहां ईडी की रेड भी प्रधानमंत्री की इसी कोशिश का हिस्सा है। केजरीवाल ने कहा कि आज तक केंद्र सरकार ने हमारी खूब जांच कराई, खूब रेड कराई, कई एमएलए और मंत्रियों को फर्जी केस में जेल भेजा, लेकिन एक पैसे की भी गड़बड़ नहीं मिली। सब एक-एक करके छूट गए। एक-एक करके सारे केस कोर्ट में बंद हो गए।

दरअसल प्रधानमंत्री को बहुत अहंकार हो गया है और वह इंसान को इंसान ही नहीं समझते हैं। उन्होंने प्रश्न किया कि अगर किसी देश के राजा को इतना अहंकार हो जाए तो वो देश तरक्की कैसे करेगा।

केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का मकसद भ्रष्टाचार खत्म करना नहीं है। उन्होंने दूसरी पार्टियों के सारे भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। अभी हाल ही में हमने महाराष्ट्र में इसका उदाहरण देखा है। दो दिन पहले प्रधानमंत्री ने कुछ नेताओं पर 70 हजार करो? रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया था, मगर उसके बाद उन सारे भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया और उन पर लगे सारे केस खत्म कर दिए। वहीं गुजरात के अंदर मोरबी ब्रिज गिर गया और कई लोगों की मौत हो गई। वहां ईडी-सीबीआई की कोई रेड नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भाजपा की सरकार को 40 परसेंट वाली सरकार कहा जाता था, लेकिन कोई ईडी-सीबीआई की रेड नहीं हुई। भाजपा शासित राज्यों के अंदर किसी भी तरह की जांच नहीं होती है।

शुंगलू कमेटी ने आप को दी क्लीन चिट

केजरीवाल के मुताबिक, 2016 में प्रधानमंत्री ने हमारे खिलाफ शुंगलू कमेटी बिठाई। कमेटी ने हमारी सरकार के सभी कार्यों की फाइल मंगाई, जो तकरीबन 400 थीं। बड़े-बड़े अफसरों ने सारी फाइलों की जांच की और एक पैसे का भी घोटाला नहीं निकला। इसके बाद प्रधानमंत्री ने हमारे ऊपर झूठे केस करने शुरू कर दिए। अभी तक आम आदमी पार्टी के विधायकों पर 170 से ज्यादा केस कर चुके हैं। इसमें से 140 से अधिक केस में कोर्ट का फैसला आ चुका है और कोर्ट के सारे निर्णय आम आदमी पार्टी के पक्ष में आए हैं।

भाजपा के इशारे पर संजय को मरवाने की साजिश कर रही ईडी : दिलीप पांडे

आम आदमी पार्टी के विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि भाजपा के इशारे पर ईडी सांसद संजय सिंह को मरवाने की साजिश कर रही है, इसलिए ईडी ने कोर्ट को बिना जानकारी दिए दो बार संजय सिंह को अज्ञात जगह पर ले जाने की कोशिश की। जब संजय सिंह ने विरोध करते हुए पूछा कि ऐसा किसके कहने पर किया जा रहा है, क्या इसकी जानकारी कोर्ट को है, तो ईडी का कहना था कि उसे ऊपर से आदेश है। ईडी के ऊपर कौन बैठा है, जो बेखौफ व संजय सिंह से इतना डरा हुआ है। भाजपा और ईडी को इसका जवाब देना चाहिए।

आम से लेकर खास पर चढ़ रहा चुनावी चर्चा का बुखार

गांव, शहर में लोगों की जुबां पर चढ़े नेताओं के बोल

मोदी, योगी, प्रियंका व राहुल के भाषणों पर बतकही

» **आमजन ने भी बनाया नेताओं से जवाब लेने का मन**

» **राजस्थान में कुछ भाजपाईयों के बगावती सुर**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में चुनावी तारीख की घोषणा के बाद मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना व मिजोरम में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई है। सभी पार्टियों के छोटे से लेकर बड़े नेता तक सक्रिय हो गए है। गावं, गलियों, शहरों, मुहल्लों में चुनावी चर्चा तेज होती जा रही है। अपने-अपने दलों की लाग सरकार बनवा रहे हें। कोई सत्ता पक्ष की खिंचाई कर रहा हे तो को बढ़ाई। जहां दिग्गज नेता एक दूसरे के उपर हमलावर है वहीं आम जनता भी इसबार नेताओं से हिसाब करने की मंशा बना रही है। उधर नेताओं के पार्टियों के छोड़ने व शामिल होने का सिलसिला जारी हो गया। जिन लोगों को टिकट नहीं मिला वे बगावती तेवर भी दिखा रहे हैं। रुठों के मनाने का सिलसिला भी जारी रहा है। वहीं आम जन कांग्रेस नेता राहुल, प्रियंका भाजपा के नेता मोदी व योगी के भाषणों पर खूब कर रहे चर्चा।

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने के बाद से कई बीजेपी नेताओं के बगावती तेवर देखे जा रहे हैं। इसी बीच हाड़ौती संभाग से वसुंधरा राजे गुट से नेता पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत ने पार्टी हाई कमान को एक चिट्ठी लिखी है। राजावत ने टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने की बगावत वाली चेतावनी दे डाली है। राजावत का सीधा आरोप है कि वे तीन बार लाडपुरा विधानसभा सीट से विधायक रहे। पार्टी को मजबूत किया। लेकिन साल 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया। उनका टिकट काट दिया। इस बार भी ऐसा हुआ तो वो निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दूसरी पार्टी के सिंबल पर भी चुनाव ल?ने की धमकी भरी चेतावनी दी है।राजावत ने कहा कि पिछली बार उन्होंने निर्दलीय पर्चा भरा था। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने उनसे कहा कि पार्टी से पूर्व राजपरिवार जुड़ रहा है। और वह टिकट वापस लें। राजे की बात मानते हुए पांच साल जनता के बीच रहे। राजावत का मौजूदा बीजेपी विधायक कल्पना देवी पर आरोप है कि उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं की दुर्दशा कर डाली है। और यह उन्हें देखा नहीं जाता है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं की जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए वह इस तरह का निर्णय ले रहे हैं। पूर्व विधायक ने कहा है कि उन्हें आशंका है कि इस बार भी टिकट नहीं दिया जाएगा। ऐसे में उन्होंने पहले से ही मन में उतर रही आशंकाओं को देखते हुए कोटा जिले की लाडपुरा विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने और अन्य दलों से ऑफर मिलने पर उनके सिंबल पर चुनाव लड़ने की बात कही है। हालांकि अभी भी राजावत पार्टी के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। अगर पार्टी ने टिकट दिया तो ठीक, वरना चुनावी मैदान में वह अपनी ताल निर्दलीय जरूर ठोकेंगे।

बघेल की राह पर कमलनाथ गौ माता का लेंगे सहारा

मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल बज चुका है। चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक दलों की ओर से वादे किए जाने लगे हैं। इसी बीच मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने गाय पर दांव लगाते हुए छत्तीसगढ़ वाला पांस %चुनावी बिसात पर फेंक दिया है। उज्जैन में कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार करते हुए मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने बड़ा वादा कर दिया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अगर राज्य में कांग्रेस सरकार सत्ता में आती है तो वे छत्तीसगढ़ सरकार की तर्ज पर 3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गाय का गोबर खरीदेंगे। दिग्विजय सिंह ने उज्जैन जिले में कंप्यूटर बाबा की गौ माता बचाओ यात्रा के समापन के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। दिग्विजय सिंह ने कहा कि %हमारा उद्देश्य प्रदेश और देश में गायों की सेवा करना था। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि छत्तीसगढ़ में सरकार 2 रुपये किलो में गाय का गोबर खरीदती है। हम वादा करते हैं कि अगर हमारी सरकार मध्य प्रदेश में सत्ता में आती है, तो हम 3 रुपये किलो की दर से गोबर खरीदें। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि हम गाय के गोबर से खाद बनाकर पूरे प्रदेश में किसानों को देंगे। जैविक खेती हमारा लक्ष्य है।

छत्तीसगढ़ सरकार खरीद रही गोबर

गोधन न्याय योजना जुलाई 2020 में छत्तीसगढ़ में शुरू की गई थी। 2 रुपये प्रति किलोग्राम पर गोबर खरीदने वाली यह योजना राज्य में बहुत लोकप्रिय हो गई है। योजना के तहत खरीदे गए गोबर का उपयोग जैविक खाद बनाने में किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार के मुताबिक, जुलाई 2022 तक गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी के एवज में पशुपालकों, ग्रामीणों और गोबर विक्रेताओं को कुल 155 करोड़ 58 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है।इस बीच दिग्विजय सिंह ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने गाय की सेवा नहीं की। उन्होंने कहा कि %हमें गायों की रक्षा करनी है। यही हमारा उद्देश्य है, क्योंकि गाय हमें दूध, गोमूत्र (गोमूत्र), गोबर देती हैं और हमारा पोषण करती है। आज पूरे देश में गायों की स्थिति बहुत खराब है। मध्य प्रदेश में कुछ लोग (भाजपा वाले) जो हमेशा धर्म के ठेकेदार रहे हैं, उन्होंने गोरक्षा के नाम पर केवल राजनीतिक सौदेबाजी की है, लेकिन गाय की सेवा नहीं की।

टिकट को लेकर जुगाड़ लगाने की तैयारी

राजस्थान में कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची का इंतजार हो रहा है। जयपुर जिले की चौमूं विधानसभा सीट पर इस बार कांग्रेस की दो महिला नेता टिकट की प्रबल दावेदार हैं। ये दोनों महिला नेता लगातार पार्टी में सक्रिय रहने के साथ जनता के बीच भी एक्टिव रहती हैं। एक महिला नेता राजघराने से ताल्लुक रखती हैं, जबकि दूसरी महिला नेता मूलरूप से झुंझुनूं की हैं लेकिन उनकी कर्म स्थली चौमूं है। दोनों प्रदेश कांग्रेस में पदाधिकारी भी है। इन महिला नेताओं के नाम है रूक्ष्मणि कुमारी और शिखा बराला। अब देखना यह है कि इन दोनों नेताओं में भारी कौन पड़ता है।

चौमूं ठिकाने की राजकुमारी रुक्ष्मणि सिंह अब राजनीति में भाग्य आजमाने के प्रयास में हैं। वह पिछले कुछ सालों में चौमूं विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच काफी एक्टिव हैं। इस बार उन्होंने कांग्रेस के टिकट की दावेदारी पेश की है। उन्हें पार्टी की मजबूत प्रत्याशी भी माना जा रहा है। रुक्ष्मणी कुमारी एक एनजीओ चलाती हैं। इसके तहत वह ग्रामीण इलाकों में महिलाओं और बच्चों के उत्थान के लिए कार्य करती हैं। सामाजिक कार्यों के चलते वह चौमूं में काफी लोकप्रिय हैं। पिछले साल उन्होंने स्टार शू प्रोजेक्ट चलाया जिसमें सरकारी स्कूलों में पढने वाले बच्चों को जूते पहनाए। हर गरीब परिवार की मदद में वह हमेशा आगे रहती हैं। रुक्ष्मणी सिंह की शादी महाराज आदित्य कुमार के साथ हुई थी। वह भारतीय सेना में मेजर थे। वर्ष 2011 में ऑपरेशन पराक्रम के दौरान मेजर आदित्य कुमार शहीद हो गए। 32 साल की उम्र में रुक्ष्मणी सिंह ने अपना पति खो दिया लेकिन उन्होंने अपने हौसले को टूटने नहीं दिया। वह अपने पुत्र महाराज पृथ्वीसिंह के साथ चौमूं किले में रहती हैं। सामाजिक कार्यों के साथ वह राजनीति से भी जुड़ गई। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वह राहुल गांधी के साथ पैदल चली थी और उनसे बातचीत भी की।

आदिवासियों का ऐलान-विकास नहीं तो अब मतदान भी नहीं...

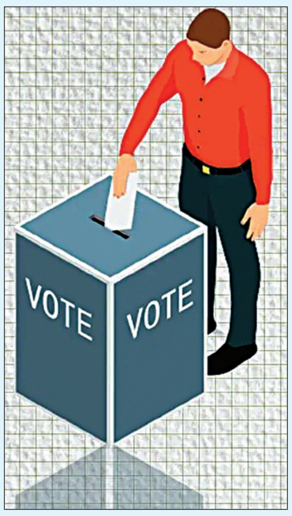

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के दो गांवों के निवासियों ने क्षेत्र में विकास कार्य नहीं होने का आरोप लगाते हुए राज्य में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने का फैसला किया है। रामपुर विधानसभा क्षेत्र के केराकछार ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले गांव सरडीह और बगधरीडांड के निवासियों ने चुनाव बहिष्कार की घोषणा की है। इन गांव के ज्यादातर निवासी पहाड़ी कोरवा आदिवासी हैं। पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) से हैं। रामपुर निर्वाचन क्षेत्र वर्तमान में बीजेपी विधायक ननकी राम कंवर के पास है, इन गांवों के भीतर ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार करने का आह्वान करते हुए पर्चे लगाए हैं, तथा बाहरी इलाकों में चुनाव बहिष्कार के आह्वान वाला एक बैनर लटकाया है। छत्तीसगढ़ में में दो चरणों में मतदान होगा। रामपुर विधानसभा सीट के लिए दूसरे चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा जबकि पहले चरण में सात नवंबर को राज्य के दक्षिण क्षेत्र के जिले कबीरधाम, राजनांदगांव और बस्तर क्षेत्र के सात जिलों में मतदान होगा। पहाड़ी कोरवा समुदाय से आने वाले सरडीह गांव के निवासी संतोष ने कहा, हम लंबे समय से पेयजल सुविधा, बिजली आपूर्ति और मोबाइल टावर तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं, लेकिन जन प्रतिनिधियों ने कभी हमारी ओर ध्यान नहीं दिया। सरडीह, बगधरीडांड़, खुर्रीभौना और आसपास के गांवों के पहाड़ी कोरवा आज भी जंगल की जमीन में गड्ढा खोदकर निकाला गया पानी पीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि इन गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें नहीं हैं, संतोष और गांव की कुछ अन्य महिलाओं ने कहा, खोखले वादे अब राजनेताओं के काम नहीं आएंगे, ग्रामीणों ने इस बार मतदान का बहिष्कार करने का फैसला किया है क्योंकि उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। कोरबा शहर से लगभग 20 किमी दूर वन क्षेत्र में स्थित केराकछार ग्राम पंचायत के गांवों में पहाड़ी कोरवाओं के लगभग 150 परिवार निवास करते हैं. इस गांव के लोग हाथी-मानव संघर्ष के खतरे से भी जूझ रहे हैं। गांव के बाहर ग्रामीणों द्वारा लगाए गए बैनर में लिखा है, सरडीह और बगधरीडांड में मतदान का बहिष्कार किया गया है क्योंकि गांवों को बिजली नहीं मिली है। इस बारे में पूछे जाने पर कोरबा जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विश्वदीप ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी मिली है7 वह और अन्य अधिकारी ग्रामीणों की समस्या को समझने के लिए गांवों का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, %%हम ग्रामीणों को अपने बहिष्कार के आह्वान को वापस लेने और चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। आईएएस अधिकारी विश्वदीप जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के नोडल अधिकारी भी हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने कहा था कि राज्य में पांच विशेष पिछड़े जनजाति समूह (पीवीटीजी)- अबूझमाड़िया, कमार, पहाड़ी कोरवा, बिरहोर और बैगा जनजाति से संबंधित मतदाताओं के नामांकन के लिए एक गहन अभियान चलाया गया था।

डॉक्टर भी राजनीति में आजमाएंगे किस्मत

झुंझुनूं की रहने वाली डॉ. शिखा मील बराला चौमूं स्थित बराला हॉस्पिटल की डॉक्टर हैं। वह पिछले कई सालों से यहां कार्यरत रहकर जनता से जुड़ी रहीं। डॉ. शिखा का कहना है कि उन्होंने कई सालों तक चिकित्सा के क्षेत्र में रहकर लोगों की सेवा की। अब राजनीति में आकर सेवा करना चाहती हैं। कोरोना काल के दौरान वह क्षेत्र की जनता के बीच समाज सेवा में काफी सक्रिय रही। कुछ समय पहले डॉ. शिखा ने सम्मान आपके द्वार अभियान शुरू किया। इसके तहत उन्होंने लोगों के बीच जाकर सम्मान करना शुरू किया था। अब तक वह 10 हजार से ज्यादा सेवानिवृत्त कर्मचारी, आशा सहयोगिनियों ,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान कर चुकी हैं। उनके इस अभियान से उनका क्रेज काफी बढ़ा है। वह प्रदेश कांग्रेस की सचिव हैं और टिकट की दावेदार हैं। देखना यह है कि कांग्रेस किसे मौका देती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अदालत का सम्मान देने वाला फैसला

अदालत ने निर्देश दिया कि उनका नाम, माता-पिता और पता अदालतों में दायर दस्तावेज में न हो। उच्च न्यायालय ने रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से जारी अपने व्यावहारिक निर्देशों में निर्देश दिया। ये एक मानवीय दृष्टि से अच्छा फैसला है। अमूमन देखने में आता था कि दस्तावेजों में जब पीड़िता का नाम होता था उस व्यक्ति के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचती थी। अब ऐसे फैसले से पीड़िता की पहचान भी गुप्त रहेगी और उसके सम्मान की रक्षा भी हो स केगी। दरअसल, हाईकोर्ट ने यौन अपराधों के मामले में पीड़िता व उसके परिवार की पहचान और गोपनीयता बनाए रखने का निर्देश दिया है। अदालत ने निर्देश दिया कि उनका नाम, माता-पिता और पता अदालतों में दायर दस्तावेज में न हो। उच्च न्यायालय ने रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से जारी अपने व्यावहारिक निर्देशों में निर्देश दिया कि अदालत रजिस्ट्री को यौन अपराधों से संबंधित सभी दाखिलों की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़िता की पहचान व गोपनीयता को सख्ती से बनाए रखा जाए।

न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी के अप्रैल के फैसले के अनुपालन में यह निर्देश जारी किए गए हैं जिसमें यह माना गया है कि कानून में यौन अपराधों की पीड़िता को राज्य या आरोपी द्वारा शुरू की गई किसी भी आपराधिक कार्यवाही में एक पक्ष के रूप में शामिल करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि रजिस्ट्री को यह सुनिश्चित करना होगा कि पीड़ित का विवरण अदालत की वाद सूची में प्रतिबिंबित न हो। अदालत ने कहा कि फाइलिंग की जांच के चरण में यदि रजिस्ट्री को पता चलता है कि पीड़िता की पहचान का खुलासा पार्टियों के ज्ञापन में या कहीं और किया गया है, तो दस्तावेज को उस वकील को वापस कर दिया जाना चाहिए जिसने इसे दायर किया है और सुनिश्चित करें कि विवरण संशोधित किया गया है। उच्च न्यायालय के भीतर भी किसी अन्य व्यक्ति या एजेंसी को पहचान विवरण के प्रसार को रोकने के लिए यह निर्देश दिया गया है कि पीड़ित को दी जाने वाली सभी सेवाएं केवल जांच अधिकारी के माध्यम से की जाएंगी जो 'सादे कपड़ों' में रहेंगे। आईओ को बचे हुए लोगों को सूचित करना चाहिए कि उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता का अधिकार है और यदि पक्ष अदालत में पीड़ित के किसी भी पहचान संबंधी विवरण का हवाला देना चाहते हैं, जिसमें तस्वीरें या सोशल मीडिया संचार शामिल हैं, तो इसे सीलबंद में लाया जाएगा। इस निर्णय का सभी ने स्वाग किया है।

> "दरअसल, हाईकोर्ट ने यौन अपराधों के मामले में पीड़िता व उसके परिवार की पहचान और गोपनीयता बनाए रखने का निर्देश दिया है। अदालत ने निर्देश दिया कि उनका नाम, माता-पिता और पता अदालतों में दायर दस्तावेज में न हो। उच्च न्यायालय ने रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से जारी अपने व्यावहारिक निर्देशों में निर्देश दिया कि अदालत रजिस्ट्री को यौन अपराधों से संबंधित सभी दाखिलों की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़िता की पहचान व गोपनीयता को सख्ती से बनाए रखा जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसने बनाया हमास को हाईटेक हमलावर

पुष्परंजन

हमास और इस्राइल के बीच फुल स्केल वार का प्रभाव इंटरनेट तक फैल गया है। जेरूसलम पोस्ट की वेबसाइट पर साइबर हमलों में वृद्धि हुई है, जिसके कारण शनिवार से ही इस अखबार की वेबसाइट बंद हो गई है। जेरूसलम पोस्ट के प्रधान संपादक एवी मेयर ने एक ई-मेल में लिखा, 'कल सुबह युद्ध शुरू होने के बाद से हमें लगातार विनाशकारी साइबर हमलों का निशाना बनाया गया है। हम उनसे निपटने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने हमें कई बार हराया है।' एवी मेयर ने मेल में लिखा कि सही से जांच पर पता चल गया कि कौन जिम्मेदार था और वे कहां स्थित थे।

इस्राइल में यहूदी समर्थक बहुत सारे मीडिया वाले साइबर हमलों के जिस तरह शिकार हुए हैं, उससे साफ पता चलता है कि हमास आज की तारीख में हाईटेक हो चुका है। हमास दो दशक पहले वाला लड़ाका संगठन नहीं है, जो मानव बमों के जरिये दहशत फैलाता था। वर्ष 2003 में रामल्ला, रफात और जेनिया की तंग गलियों में जब मैं मानव बम पर स्टोरी करने गया था, तब यह तसव्वुर में नहीं था कि कबीलाई जैसे दिखने वाले हमास लड़ाके दो दशक बाद, इस्राइल पर रॉकेट की बौछार कर पूरी दुनिया को हिला देंगे। हमास, हरकत अल-मुकावामा अल-इस्लामिया (इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन) की स्थापना 1960 के आरंभ में फिलिस्तीनी मौलवी शेख अहमद यासीन ने की थी। 1967 के छह-दिवसीय युद्ध के बाद यासीन के लड़ाकों ने इस्राइल के कुछ हिस्से पर कब्जा कर लिया था। वेस्ट बैंक, गाजा और पूर्वी यरुशलम पर इस्राइल के कब्जे के खिलाफ यासीन ने दिसंबर, 1987 में गाजा में ब्रदरहुड की राजनीतिक शाखा के रूप में हमास की स्थापना की। तब पहला इंतिफादा जिसे आम भाषा में विद्रोह कह सकते हैं, हुआ था। हमास का उद्देश्य फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) का मुकाबला करना था। वर्ष 1988 में, हमास ने अपना चार्टर प्रकाशित किया, जिसमें इस्राइल के विनाश और फिलिस्तीन में एक इस्लामी गणराज्य की स्थापना का आह्वान किया गया था।

वर्ष 2017 में हमास ने एक अंतरिम फिलिस्तीनी राज्य को स्वीकार कर लिया, लेकिन फिर भी उसने इस्राइल को मान्यता देने से इनकार कर दिया। पीएलओ नेता यासर अराफात और इस्राइली प्रधानमंत्री यित्जाक

राबिन द्वारा ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर करने से पांच महीने पहले, हमास ने पहली बार आत्मघाती बम विस्फोट अप्रैल, 1993 में किया था। हमास ने ओस्लो समझौते की निंदा की, जिसमें अराफात और इत्जाक राबिन ने पीएलओ और इस्राइल को मान्यता दी थी। 1997 में अमेरिका ने हमास को आतंकवादी संगठन घोषित किया था। यह आंदोलन 2000 के दशक की शुरुआत में दूसरे इंतिफादा के दौरान हिंसक प्रतिरोध का नेतृत्व करने के लिए चला गया, हालांकि पीआईजे और फतह के तंजीम मिलिशिया भी इस्राइलियों के खिलाफ हिंसा के लिए जिम्मेदार थे। दूसरा 'इंतिफादा' पहले से कहीं अधिक हिंसक था। लगभग पांच साल के विद्रोह के दौरान, 4,300 से अधिक मौतें दर्ज की गईं। मार्च, 2002 में हमास द्वारा भयानक आत्मघाती बम विस्फोट में 30 लोग मारे गए, इस्राइली सेना ने वेस्ट बैंक और गाजा के कुछ हिस्सों पर फिर से कब्जा करने के लिए ऑपरेशन डिफेंसिव शील्ड शुरू किया। विगत 20 वर्षों से यही सब चल रहा है। मगर, सवाल यह है कि हमास को इतना हाईटेक करने में दुनिया की किन शक्तियों का हाथ रहा है? और क्या ये तीसरा इंतिफादा था? नवंबर, 2022 में, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी थी कि इस्राइल-फिलिस्तीनी संघर्ष फिर से उबलते बिंदु पर पहुंच रहा है। इस्राइल में मिलिटरी इंटेलीजेंस के प्रमुख अमित सार ने भविष्यवाणी की थी कि वेस्ट बैंक (गाजा नहीं) में हिंसा 2023 में इस्राइल की दूसरी सबसे बड़ी चुनौती होगी। सार संभवत: चूक गये कि हिंसा का अधिकेंद्र वहां से 93 किलोमीटर दूर गाजा होगा। सार को इस हमले की टाइमिंग का भी पता नहीं था। मतलब, इस्राइल की मिलिटरी इंटेलिजेंस सर्विस फेल, देश से लेकर दुनिया भर में दबदबा बनाकर रखने वाली इस्राइली खुफिया एजेंसियां शिन बेत और मोसाद भी फेल। उत्तर-पूर्व तेल अवीव में ही शिन बेत का हेडक्वार्टर है। तेल अवीव में भूमध्य सागर के तट पर अवस्थित याफो में मोसाद का मुख्यालय है। इस्राइल की इन तीनों एजेंसियों ने देश की नाक कटा दी, यह तो स्वीकार कर लेना चाहिए। लगभग दो दशकों से भारत के शीर्ष चार हथियार आपूर्तिकर्ताओं में से एक इस्राइल रहा है। शनिवार वाले हमले के हवाले से सवाल है कि एक अरब डॉलर की सालाना सैन्य बिक्री पर क्या आंच आने वाली है?

बदलते सामाजिक आर्थिक स्तर की खनक

प्रमोद जोशी

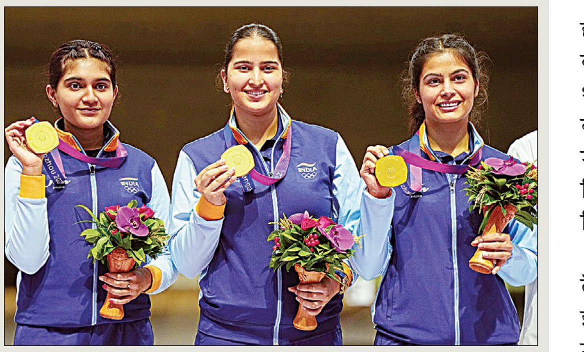

हैंगजाऊ एशियाई खेलों में भारत की सफलता को दो तरह से देखना चाहिए। कई प्रकार के रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने खेल की दुनिया में पहला बड़ा कदम रखा है। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है पदक तालिका में 'सौ की मानसिक सीमा-रेखा' को पार करना। यह उपलब्धि देश के आकार को देखते हुए पर्याप्त नहीं है, पर पिछले प्रदर्शनों से इसकी तुलना करें, तो बहुत बड़ी है। यह भारत के विकसित होते बदलते सामाजिक-आर्थिक स्तर को भी रेखांकित कर रही है। उम्मीद है कि अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ी सफलता के एक और चरण को पार करेंगे। कुछ खेल ऐसे भी हैं, जिनमें इस एशियाड में मनोनुकूल सफलता नहीं मिली। इनमें कुश्ती और भारोत्तोलन शामिल हैं।

कॉमनवेल्थ खेलों में हमने इन्हीं खेलों में बड़ी सफलता हासिल की थी। इसकी एक वजह यह भी है कि एशिया खेलों में कंपीटिशन ज्यादा मुश्किल है। दूसरी तरफ हमारे खिलाड़ी घुड़सवारी, ब्रिज, गोल्फ, शतरंज, वुशु और सेपक टकरा जैसे खेलों में भी मेडल जीतकर लाए हैं। फिर भी कम से कम दो खेल ऐसे हैं, जिनमें हमें विश्व स्तर को छूना है। एक है जलाशय से जुड़े खेल यानी एक्वेटिक्स और दूसरे जिम्नास्टिक्स। इन दोनों खेलों में मेडलों की भरमार होती है। खेल भी कई मायनों में सामाजिक दर्पण होते हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों की सफलता सामाजिक बदलाव को रेखांकित कर रही है। भारत को मिले 107 मेडलों में से 50 पुरुष वर्ग में, 47 महिला वर्ग में और 10 मिश्रित वर्ग को मिले हैं। यह हमारा सामाजिक सच भी है। बहरहाल जेवलिन थ्रो में अन्नू रानी ने गोल्ड मेडल जीतकर एशियाड के इतिहास में पहली भारतीय महिला होने का गौरव हासिल किया है। वे खेतों में गन्ने फेंककर एथलीट बनी हैं। नीरज चोपड़ा ने गोल्ड जीता पर उनके साथ किशोर कुमार जेना ने न केवल सिल्वर जीता, बल्कि अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसका मतलब है कि भारत से जेवलिन में कुछ और नए चैंपियन सामने आने वाले हैं।

तेजस्विन शंकर का डिकैथलन में सिल्वर मेडल उल्लेखनीय प्रदर्शन है। पर सबसे ज्यादा उल्लेखनीय हैं पारुल चौधरी के लगातार दो दिन में दो मेडल। इन सभी खिलाड़ियों की पृष्ठभूमि को देखें, तो ज्यादातर गांवों से हैं और अपेक्षाकृत साधनहीन परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। इनमें सुदूर पूर्वोत्तर, दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत सभी राज्यों से आते हैं। सबसे बड़ी उपलब्धि है लड़कियों की सफलता, जो भविष्य का संकेत है। इस बार के एशियाड में कुल 45 देशों ने भाग लिया, जिनमें से 41 ने कोई न कोई मेडल जीता। कुल मिलाकर 1593 मेडल जीते गए, जिनमें से 107 जीतकर भारत चौथे नंबर पर रहा। वर्ष 2018 में हम 70 मेडल जीतकर आठवें स्थान पर रहे थे। पर इस सफलता को तुलनात्मक रूप से देखें, तो चीन ने 383 मेडल जीतकर हमें काफी पीछे छोड़ दिया। क्या हम उसकी बराबरी कर सकते हैं? जरूर कर सकते हैं। चीन दो दशक पहले वैश्विक-स्तर पर पहुंच चुका है। हमसे काफी आगे, पर एक्वेटिक्स और जिम्नास्टिक्स के कारण यह अंतर बहुत बड़ा है। इस बार के एशियाड में एक्वेटिक्स में 167 मेडल दिए गए, जिनमें से 82 चीन ने जीते।

हमने एक भी नहीं। वहीं जिम्नास्टिक्स में 51 मेडल थे, जिनमें से चीन ने 19 जीते। यानी 133 मेडल उसे इन दोनों वर्गों में मिले, जहां हमारी उपलब्धि शून्य थी। हमें इन दो वर्गों पर भी ध्यान देना होगा। इन दोनों के लिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए, वह महंगा है और उसके प्रशिक्षक भी बड़ी संख्या में हमारे पास नहीं हैं। इस बार भारत को सबसे बड़ी सफलता शूटिंग, तीरंदाजी और एथलेटिक्स में मिली है। शूटिंग के कुल 102 मेडलों में से 22 भारतीय टीम ने जीते। केवल मेडल ही नहीं जीते कई स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड भी बनाए। वर्ष 2018 में शूटिंग में भारतीय टीम को 9 मेडल मिले थे। एथलेटिक्स में इस बार 144 में से 29 और तीरंदाजी के 30 में से 9 मेडल भारत को मिले, जबकि 2018 में एथलेटिक्स में 20, शूटिंग में केवल दो मेडल ही मिले थे। तीरंदाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व रिकॉर्ड कायम किये।

यह सफलता सरकारी खेल-नीति और धीरे-धीरे तैयार होते इंफ्रास्ट्रक्चर और विज्ञान तथा तकनीक के इस्तेमाल की ओर भी इशारा कर रही है। सितंबर, 2014 में, युवा मामले और खेल मंत्रालय ने ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के उद्देश्य को पूरा करने के प्रयास में टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) शुरू की थी। इसका उद्देश्य टॉप्स एथलीटों की निगरानी के लिए एक तकनीकी सहायता टीम बनाना है और सभी प्रकार की सहायता प्रदान करना है। 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों को काफी पहले खोजकर उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान करके मदद करना है। अच्छे कोचों और प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने भी काफी पैसा लगाया है। इसके परिणाम अब दिखाई पड़ने लगे हैं। खिलाड़ियों की एक पीढ़ी अपने बाद की पीढ़ी को तैयार करती है। पुरुषों की हॉकी स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर भारतीय टीम ने देशवासियों का सिर ऊंचा कर दिया। इस खेल में हम नीचे नहीं देखना चाहते। इस जीत के साथ भारतीय टीम ओलंपिक खेलों में भाग लेने की हकदार हो गई है। लड़कियों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा और उन्हें ओलंपिक में भाग लेने के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ेगा। भारतीय हॉकी टीम को जबसे ओडिशा सरकार ने स्पांसर करना शुरू किया ।

नंगे पैर रोज सुबह घास पर चलें
बीमारियां रहेंगी कोसों दूर

तनाव और एंग्जाइटी कम होगा

सुबह-सुबह टहलना तो अपने आप में हमारा मूड फ्रेश कर देता है और अगर ऐसे में आप हरी मुलायम ओस से भीगी घास पर चलते हैं, तो इससे दिमाग शांत हो जाता है और साथ ही पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलने की वजह से पूरे शरीर को आराम मिलता है, जिससे आपको तनाव से मुक्ति मिलती है। स्ट्रेस और एंग्जाइटी मानसिक स्वास्थ्य की तेजी से बढ़ती समस्याओं में से एक है, जिसके कई प्रकार के शारीरिक दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। एंग्जाइटी के कारण पसीना आने, घबराहट और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होने का जोखिम हो सकता है। चिंता और तनाव के कई कारण हो सकते हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की सलाह दी जाती है। तनाव हमारे शरीर की सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि अगर ये लंबे समय तक बनी रहती है और इसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने का खतरा हो सकता है।

ब्लड प्रेशर और हार्ट की समस्या से राहत

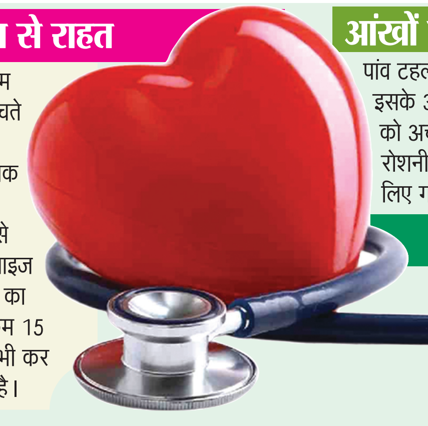

रोजाना हरी घास पर चलने से जब दिमाग आराम महसूस करता है, तो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचते हैं या अगर आपको बीपी है तो उसमें भी आराम मिलता है। साथ ही टहलने से आपकी हार्ट बीट ठीक रहती है, जिससे आपको किसी भी तरह की हार्ट डिजीज होने का खतरा कम होता है। हार्ट अटैक से सुरक्षित रहने का सबसे बेहतरीन विकल्प एक्सरसाइज है. रोजाना एक्सरसाइज करने से दिल की बीमारी का खतरा दूर हो जाता है। इसलिए रोजाना कम से कम 15 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें। चाहें तो वॉक भी कर सकते हैं। वॉक करने से दिल स्वस्थ रहता है।

आंखों के लिए वरदान

रोजाना हरी घास पर नंगे पांव टहलने से आपकी आंखों की रोशनी भी तेज होती है। इसके अलावा गाजर के सेवन से आंखों के बाकी के हिस्सों को अच्छे से काम करने में मदद मिलती है। आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए गाजर के जूस का रोजाना सेवन करना चाहिए।

डायबिटीज में फायदेमंद

रोजाना घास पर नंगे पांव टहलने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। जिससे डायबिटीज का खतरा कम होता है।

अक्सर ऐसा सबके साथ जरूर हुआ होगा कि बचपन में जब आप खेला करते थे या फिर घर में ऐसे ही स्लीपर पहन कर घूमा करते थे, तब आपके बड़े बुजुर्ग कहते थे कि कुछ देर चप्पल सैंडल मत पहना करो और नंगे पांव चलने-दौड़ने, खेलने-कूदने की आदत डालो, इससे सेहत भी अच्छी रहेगी और साथ ही आंखों की रौशनी भी लंबे समय तक बनी रहेगी। आप भी अगर कभी अपने दादा जी के साथ पार्क गए होंगे, तो आप ने यह देखा होगा कि वहां वे अपनी चप्पल एक तरफ रखकर घास में टहलने लग जाया करते होंगे और आपको भी घास पर टहलने के फायदे बता कर साथ में टहलाते होंगे। आयुर्वेद में हमारे पैर के तलवों से पूरे शरीर को स्वस्थ किया जाता है। मस्तिष्क, हार्ट, लिवर से लेकर किडनी जैसे अनेक शरीर के फंक्शन को सही किया जाता है और तो और कैंसर जैसी बीमारियों को भी ठीक करने का दावा किया गया है। ऐसे में हरी घास पर नंगे पांव घूमना हमारे शरीर के लिए काफी लाभदायक होता है।

इम्युनिटी होगी मजबूत

सुबह-सुबह ओस से भीगी हुई घास पर नंगे पांव चलने से हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, क्योंकि हमारे पैर के तलवों में जो सेल्स होते हैं वे हमारे शरीर के अंदर के अंगों की नर्व से जुड़े हुए होते हैं, जिससे नंगे पांव हरी घास पर चलने से उसका सीधा असर हमारे शरीर पर पड़ता है। इम्युनिटी का मजबूत रहना, शरीर को कई प्रकार की बीमारियों से बचाने के लिए बहुत आवश्यक है। इम्युनिटी को मजबूत करना एक सतत प्रक्रिया है जिसका मतलब है कि इसके लिए हमें निरंतर प्रयास करते रहने की जरूरत है। आहार और लाइफस्टाइल दोनों का बेहतर सामंजस्य आपकी इम्युनिटी पावर को मजबूती देती है और रोगों से मुकाबले में मदद करती है। कम उम्र से ही प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए प्रयास करते रहना सभी लोगों के लिए जरूरी है। इसमें लाइफस्टाइल की विशेष भूमिका होती है।

हंसना मना है

शादीशुदा महिला- पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शाति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी- मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

एक पार्टी में एक सुन्दर सी लड़की एक लड़के के पास गई, लड़की- सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का-हां हां क्यों नहीं, क्या चीज हटानी है? लड़की- अपनी कुत्ते जैसी नजर!

सन- मॉम, पापा बहुत शरीफ हैं, मॉम- वो कैसे बेटा, सन-पापा जब भी किसी लड़की को देखते हैं, तो एक आंख बंद कर लेते हैं।

बहु के 1-2 अफ़ेयर सुनकर पती ने जान दे दी, 3-4 अफ़ेयर सुनकर ससुर ने जान दे दी, लेकिन सास चुप रही क्यों? क्योंकि सास भी कभी बहु थी।

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता- मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे। आदित्य- बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते.. दे चप्पल!

वाईफ टीवी पर मैच देख रही थी, हसबंड स्मार्ट बनके आया और बोला, डार्लिंग मैं कैसा लग रहा हुं? तभी वाईफ जोर से चिल्लाई, छक्का!

कहानी | बुद्धि से भरा बर्तन

एक बार राजा अकबर और बीरबल के बीच कुछ मनमुटाव हो गया। राजा ने बीरबल को राज्य से दूर जाने की सजा दे दी। बीरबल ने अन्य गांव जाकर वेश बदलकर खेती करना शुरू किया। अब वह एक किसान के रूप में अपना जीवन गुजारने लगे। शुरू में अकबर के लिए सब कुछ सामान्य सा था, लेकिन कुछ ही दिन बीते थे कि राजा को अपनी गलती का एहसास होने लगा। वह बीरबल को याद करने लगे थे। जब भी कोई परेशानी आती तो उन्हें बीरबल की कमी खलती। एक दिन अकबर ने अपने सेनापति को बुलाया और उन्हें बीरबल को ढूंढ लाने का आदेश दिया। सभी सैनिकों ने हर एक कोना छान मारा, लेकिन वे बीरबल को ढूंढ न सके। राजा बड़े निराश हुए। अब बीरबल से मिलने की उनकी बेचैनी और बढ़ने लगी थी। अचानक राजा के मन में एक उपाय आया। उन्होंने आदेश दिया कि सभी गांव के मुखिया को एक बर्तन के अंदर बुद्धि डालकर राजा को भेजना होगा। जो भी इस आदेश को पूरा नहीं करेगा, उसे इसके बदले एक बर्तन में हीरे जवाहरात भरकर राजा को भेजना पड़ेगा। सभी गांववासी राजा के इस अजीबो-गरीब आदेश को सुनकर परेशान थे। सभी यह सोचकर हैरान थे कि बुद्धि को किस तरह एक बर्तन में भरा जाए। यह सोचकर सभी परेशानी में थे। वहीं, जिस गांव में बीरबल रह रहे थे, वहां भी राजा का यह आदेश चर्चा का विषय बना हुआ था। गांव के सभी बड़े-बुजुर्ग निराश होकर बैठे हुए थे कि वहां बीरबल ने कहा कि वह इस समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। पहले तो किसी को भी इस बात का यकीन नहीं हुआ, लेकिन उनके पास बीरबल पर विश्वास करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था। उस वक्त गांव में तरबूज़ की फसल उगाने का समय था। बीरबल ने तरबूज के पौधे की एक बेल को एक बर्तन में डाला। धीरे-धीरे उस बेल में तरबूज का फल लगने लगा। जैसे ही बर्तन तरबूज से पूरा भर गया, बीरबल ने बेल को फल से अलग किया और उस बर्तन को तरबूज़ समेत राजा के दरबार में भिजवा दिया। साथ में यह संदेश भी भेज कि उस बर्तन के अंदर बुद्धि भरी है और राजा को बर्तन को बिना तोड़े ही बुद्धि को निकालना होगा। जैसे ही राजा ने तरबूज़ से भरा हुआ बर्तन देखा व उसे निकालने की शर्त सुनी तो उन्हें यकीन हो गया कि ऐसा विचार केवल बीरबल का ही हो सकता है। उन्होंने जल्दी से अपना घोड़ा मंगवाया और बीरबल को अपने साथ वापिस लाने के लिए गांव की ओर चल दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज कुछ लोग आपका विरोध कर सकते है। नौकरी में उच्चाधिकारियों का सहयोग व प्रसन्नता प्राप्त होंगे। आज आप अपने और अपनों के लिए जमकर खरीदारी कर सकते हैं।

वृषभ

आज नौकरी कर रहे जातक अपने शत्रुओं पर विजय पाकर प्रसन्न होंगे लेकिन व्यवसाय कर रहे लोगों की आज अपने कार्य क्षेत्र में किसी से कोई अनबन हो सकती है।

मिथुन

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। ऑफिस में हर काम को बारीकी से पूरा करने की कोशिश करेंगे। पुराने दोस्तों के साथ कहीं घूमने का अवसर मिलेगा।

कर्क

आज आपको माताजी के स्वास्थ्य की चिंता सताएगी। विरोधियों द्वारा लगाए गए आरोपों से मुक्ति मिलेगी। व्यापारी वर्ग अपने ग्राहकों से तैश में आकर बात न करें।

सिंह

आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। नौकरी से जुड़े जातकों का आज प्रमोशन हो सकता है, आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा।

कन्या

आज पहले से बनाई गई योजनाओं को अमली-जामा पहनाने के लिए दिन अच्छा है। किसी सामजिक संगठन या एनजीओ से जुड़ने का अवसर मिल सकता है।

तुला

आज लोग आपको सुनेंगे और आपकी बातों का प्रभाव भी उन पर पड़ेगा। इसलिए बातचीत के दौरान शब्दों का चयन सावधानीपूर्वक करना बेहद जरूरी है।

वृश्चिक

आज का दिन आपका परोपकार के कार्य में संगठित होगा। आज आपको दूसरों की मदद करने से संतुष्टि होगी, लेकिन आपको ध्यान देना होगा, कि लोग इसे आपका स्वार्थ ना समझे।

धनु

आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। किसी पुरानी बात को लेकर तनाव की स्थिति बनेगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में फैसला आपके उम्मीद के अनुसार आएगा।

मकर

आज अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। अधूरे काम निपटाने के लिए दिन ठीक है। जमीन-जायदद से जुड़े फैसले आज न लें। अपनी शारीरिक-ऊर्जा का स्तर ऊंचा बनाए रखें।

कुम्भ

आज का दिन धन कोष में वृद्धि का दिन रहेगा। आज आपको आपका लंबे समय से रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति को भी मजबूती मिलेगी।

मीन

आज आप अपना मत बिना झिझक के सबके सामने रखेंगे जो आपके लिए कारगर साबित होगा। इस राशि के इंजीनियर के लिए दिन आर्थिक रूप से बेहतर रहेगा।

अब दर्शक चेहरा देखकर आंकलन नहीं करते : नयनतारा

साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा ने फिल्म जवान से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। दर्शक फिल्म में उनके अभिनय के मुरीद हो गए हैं। फिल्म की रिलीज को महीनेभर से अधिक हो गया, मगर बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का जलवा बरकरार है। बता दें कि इस फिल्म से पहले भी नयनतार कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा रही हैं। हाल ही में नयनतारा ने इंडस्ट्री में अपनी उपस्थिति को लेकर बात की।

बता दें कि नयनतारा ने अपने करियर में रजनीकांत, चिरंजीवी, नागार्जुन, विजय और विक्रम समेत साउथ के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। वहीं, बॉलीवुड में उन्होंने शाहरुख जैसे सुपरस्टार के साथ पहली फिल्म की है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान नयनतारा ने कहा कि इंडस्ट्री और मेरे फैंस ने मुझे जो ओहदा दिया है और मशहूर फिल्म निर्माताओं और अनुभवी तकनीशियनों से जो सम्मान मुझे मिला है, वह मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं।

महिलाओं की भूमिका पर कही ये बात

नयनतारा ने कहा, मुझे लगता है कि समय बदल रहा है। लोग अब सितारों को उनकी फेस वैल्यू के आधार पर आंकने के बजाय उनके किरदारों के आधार पर उन्हें देख रहे हैं। इसके अलावा महिलाएं जिस तरह के किरदार अब अदा कर रही हैं, उन्हें भी वे खूब पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं हमेशा लोगों को खुद को स्वीकार करने और प्यार करने के पक्ष में हूं। जैसे आप हैं, खुद से प्यार करना।

बॉलीवुड गपशप

बिग बॉस में कई परेशानियों का सामना करना पड़ा : हिमांशी

पंजाबी एक्ट्रेस और सिंगर हिमांशी खुराना वैसे तो अक्सर अपने सॉन्ग्स और लव लाइफ के कारण काफी चर्चा में रहती हैं, लेकिन इस बार वह अपने एक इंटरव्यू की वजह से सुर्खियों में हैं। हिमांशी ने अपने इस इंटरव्यू में बिग बॉस 13 में अपनी एंट्री और शो के अंदर के माहौल को लेकर चौकाने वाले खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि इस शो के कारण उन्हें बहुत मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा था। वह कई मानसिक परेशानियों का सामना करने लगी थीं।

दरअसल, हाल ही में हिमांशी खुराना एक पॉडकास्ट शो में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, मैं बिग बॉस 13 का हिस्सा बनने के बाद मानसिक तौर पर बहुत परेशान हो गई थी। मेरी लाइफ में सब ठीक था, लेकिन फिर भी मैं खुश नहीं रह पा रही थी। कुछ अधूरा सा लगता था। मैंने इस बारे में अपनी टीम से बात की, साइकोलॉजिस्ट से भी मदद ली, लेकिन कोई फायदा नहीं मिला। हिमांशी ने आगे कहा, जब मुझे कोई रास्ता नहीं दिखा तो मैंने आध्यात्मिकता का रुख कर लिया और आखिरकार मुझे अपने सारे सवालों के जवाब मिलने लगे और मैं पहले से बेहतर होने लगी। एक्ट्रेस ने कहा, बिग बॉस के घर में मुझ पर बहुत सारे आरोप लगे, उन बातों के भी आरोप लगने लगे जो मैंने कभी कही ही नहीं। मैंने कभी कुछ नहीं कहा क्योंकि मेरे पास कोई सबूत नहीं होता था अपनी बातों को साबित करने के लिए, लेकिन कई चीजें सनसनीखेज बनाकर पेश की गईं। हिमांशी ने अपनी बात पूरी करते हुए कहा, शो में ऐसा दिखाया गया कि मैं लोगों के बीच लड़ाई करवाती हूं। मैं भी अपना पक्ष रखने की कोशिश करती थी तो मुझे चुप करवा दिया जाता था। मैं इसलिए चुप हो जाती थी, क्योंकि मैं उस सीनियर आर्टिस्ट की इज्जत करती हूं। मेरे माता-पिता ने हमेशा ही मुझे सिखाया है कि जब भी बड़े बात करते हैं तो बीच में नहीं बोलना चाहिए। मैं उन्हें सम्मान दे रही थी और उन्होंने मुझे ही गलत दिखा दिया।

बॉलीवुड मन की बात

मुझे सिर्फ वह बनने पर ध्यान केंद्रित करना है, जो मैं बनना चाहती हूं : तमन्ना

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार तमन्ना भाटिया अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन दिनों वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर खबरों में बनी रहती हैं। जब से एक्ट्रेस ने विजय वर्मा संग अपना रिश्ता लोगों के सामने स्वीकार किया है, तभी से दोनों कलाकार एक-दूसरे को लेकर मीडिया के सामने काफी मुखर रहे हैं। अब तमन्ना ने सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग पर खुलकर बात की है। तमन्ना भाटिया उन कुछ अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ बॉलीवुड में भी सफलतापूर्वक अपनी पहचान बनाई है। हालांकि, अभिनेत्री को अक्सर सोशल मीडिया पर काफी नकारात्मकता का सामना करना पड़ा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेत्री ने इसके बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्होंने इससे कैसे निपटना सीखा। हाल ही में, एक इंटरव्यू में तमन्ना से पूछा गया कि वह सोशल मीडिया पर नफरत और ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं। इसपर अभिनेत्री ने कहा कि उनके पेशे में यह महत्वपूर्ण है कि वह जो करती हैं उसे लोग पसंद करें। उन्होंने कहा, जब मेरे साथ ऐसा हुआ, तो पहले पल के लिए इसने मुझे हैरत में डाल दिया और मैं इससे बहुत असहज थी क्योंकि इससे मुझे सच में ऐसा महसूस हुआ कि क्या हो रहा है? क्या मैंने जो किया है वह गलत है? तमन्ना ने आगे कहा, मैंने आगे महसूस किया कि मुझे सिर्फ वह बनने पर ध्यान केंद्रित करना है,जो मैं बनना चाहता हूं। मुझे इसकी चिंता नहीं करनी चाहिए कि इतने सारे लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं क्योंकि उन्होंने कभी मेरी जर्नी नहीं देखी है और उन्होंने मेरा जीवन नहीं जीया है। उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि मैं कौन हूं। वे केवल अपने स्तर से बात कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया को आखिरी बार वेब सीरीज आखिरी सच में काम करते हुए देखा गया था। रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित और निर्विकार फिल्म्स द्वारा निर्मित, इस सीरीज में अभिषेक बनर्जी, शिविन नारंग, दानिश इकबाल, निशु दीक्षित, कृति विज और संजीव चोपड़ा भी हैं।

लाइन हाजिर का क्या मतलब होता है? कब इस्तेमाल होता है ये टर्म ...

बहुत से ऐसे टर्म्स हैं, जो हम अपने आसपास के लोगों से बहुत बार सुनते हैं लेकिन हमें इसका मतलब नहीं पता होता है। कई बार ये टर्म हमारी-आपकी रोज़ाना की ज़िंदगी से जुड़े हुए होते हैं तो कई बार हम इन्हें समाज में खूब सुनते हैं। एक ऐसा ही टर्म है- लाइन हाज़िर , जो आपने कई बार सुना होगा लेकिन शायद ही इस टर्म के बारे में ज्यादा लोग विस्तार से जानते होंगे। आपने समाचारों में देखा या पढ़ा होगा कि पुलिस वाले को किसी गलती या लापरवाही की वजह से लाइन हाजिर कर दिया गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कोरा पर भी एक यूज़र ने हाल ही में पूछा कि पुलिस सर्विस में लाइन हाज़िर का क्या मतलब होता है, जो पुलिसकर्मी इससे इतना डरते हैं। चलिए जानते हैं इस टर्म का मतलब आखिर होता क्या है। अक्सर पुलिसकर्मियों को सज़ा के तौर पर लाइन हाजिर किया जाता है। कोरा पर इस सवाल के जवाब में लोगों ने तरह-तरह की जानकारी दी है। इसका मतलब ये है कि पुलिसकर्मी को उस थाने से हटा दिया जाता है, जहां वो तैनात होता है। उसकी ड्यूटी सीधे पुलिस मुख्यालय यानि पुलिस लाइन में लगा दी जाती है। इस दौरान ना तो पुलिसकर्मी से कोई बड़ा काम कराया जाता है, ना ही उसे किसी केस में शामिल किया जाता है। जब तक उस पर लगे आरोप हट नहीं जाते, वो किसी आधिकारिक काम में इनवॉल्व नहीं किया जाता है। लाइन अटैच या लाइन हाज़िर के दौरान वो अधिकारियों की सीधी निगरानी में होता है और छोटी-मोटी गलतियों पर सज़ा मिल जाती है और कई बार बड़ी गलती होने पर बर्खास्तगी तक हो जाती है। अलग-अलग यूज़र्स ने इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि दरअसल ये शब्द अंग्रेज़ों के ज़माने से इस्तेमाल होता आया है। लाइन हाज़िर पुलिसकर्मी पर जांच बैठाई जाती है और उसे स्पष्टीकरण देना होता है। इस दौरान उसे सैलरी पूरी मिलती रहती है लेकिन कोई छुट्टी नहीं मिलती। अगर उस पर आरोप साबित हो गया, तो उसकी सैलरी रोक दी जाती है। डिपार्टमेंट में लाइन अटैच या लाइन हाज़िर को काफी बेइज्ज़ती से देखा जाता है, यही वजह है कि कोई भी पुलिसकर्मी इससे घबरा जाता है।

अजब-गजब

सुना तो बहुत होगा, कम ही लोग जानते हैं वजह ...

कपड़े प्रेस करने वाले आयरन को क्यों कहते हैं इस्त्री?

हमारे आसपास रोज़ाना बहुत सी चीज़ें होती हैं, जो हमारी लाइफ का कुछ यूं हिस्सा बन चुकी हैं कि हम ध्यान भी नहीं देते हैं कि इसके पीछे भी कोई वजह हो सकती है। मसलन ऐसी तमाम चीज़ों के नाम हैं, जो हमने जबसे होश संभाला है, वैसे ही सुनते चले आ रहे हैं। ऐसे में कोई इस पर खास ध्यान भी नहीं देता और वैसा का वैसा ही इस्तेमाल करता जाता है।

कई बार कुछ जिज्ञासा रखने वाले लोग इन चीज़ों पर सवाल कर देते हैं और फिर शुरू हो जाता है इसके पीछे का इतिहास खंगालने का सिलसिला। इंटरनेट पर कोरा एक ऐसा ही प्लेटफॉर्म है, जहां लोग इस तरह के सवाल पूछते हैं। इस पर ही एक यूज़र ने इस पर पूछा कि आखिर कपड़े प्रेस करने वाले आयरन को लोग इस्त्री क्यों कहते हैं। कई बार तो लोग इसे स्त्री भी कह देते हैं लेकिन इसकी वजह क्या है?

कपड़े प्रेस करने वाले आयरन को बहुत से लोग इस्त्री कहते हैं। हममें से बहुत से लोगों ने सुना भी होगा लेकिन आखिर प्रेस के लिए इस्त्री शब्द आया कहां से? इस सवाल के जवाब में एक यूज़र ने इसकी पूरी कहानी बताई है। उन्होंने बताया है कि इस्तरी या इस्त्री दरअसल भारतीय शब्द है ही नहीं। जब

पुर्तगाली भारत में आए, तो कपड़े की सिलवटें हटाने का लोहा भी साथ लाए। वे लोग इसे Esticar यानि इस्तकार कहते थे। ये स्पैनिश भाषा में जाकर इस्तिरार बन गया। जब भारतीयों ने इसे अपनाया तो ये इस्तरी और फिर इस्त्री भी कहा गया। कुछ लोग तो इसे स्त्री भी कह देते हैं लेकिन ये शब्द का बेहद बिगड़ा हुआ रूप है।

अब अंग्रेज़ों के कपड़े भी ऐसे होते थे कि उन्हें प्रेस करने की ज़रूरत ज्यादा पड़ती थी वरना भारतीयों के कपड़े इस ढंग से बने थे कि सिलवटें उनकी शान होती थीं। पुरुष धोती पहनते थे, जिसमें भी सिलवटें चुन्नट के तौर पर होती थीं तो महिलाएं साड़ी में भी प्लीट्स या फिर चुन्नट डालती थीं। वहीं सिल्क के कपड़ों में कलफ लगाकर इसे झटककर सुखाते थे, तो सिलवट पड़ने का सवाल ही नहीं था।

मुझे योगी सरकार पर भरोसा नहीं : निशा

पीड़िता ने कहा-हत्यारोपी आराम से उसी पुलिस चौकी में आत्मसमर्पण कर दिया जहां मेरे पति की हत्या हुई

» मेनका गांधी से कहा-घटना की सीबीआई जांच हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर डॉक्टर हत्याकांड मामले में मेनका गांधी के सामने चिकित्सक की पत्नी का गुस्सा फूट गया। उन्होंने सांसद के सामने कहा उन्हें योगी सरकार व सांसद दोनो से कोई उम्मीद नहीं है। पीड़िता ने कहा कि न्याय देने के नाम पर मेरे साथ मजाक हो रहा है। हत्यारोपी आराम से उसी पुलिस चौकी में आत्मसमर्पण कर दे रहा है जहां मेरे पति की हत्या हुई है। कार्रवाई के नाम पर केवल दिखावा हो रहा है।

एडेड स्कूल में साढ़े सात हजार की नौकरी का ऑफर देकर प्रशासन जख्मों पर नमक छिड़क रहा है। अब मुझे इस घटना की सीबीआई जांच चाहिए, आप से या सरकार से मुझे अब कोई उम्मीद नहीं है। सांसद मेनका गांधी के गांव पहुंचने पर चिकित्सक घनश्याम तिवारी की पत्नी का गुस्सा इन लफ्जों में फूटा। घटना के करीब 20 दिन बाद सांसद मेनका गांधी चिकित्सक घनश्याम तिवारी की पत्नी निशा तिवारी से मिलने उनके गांव सखौली कलां पहुंचीं। उन्होंने शोक जताया तो चिकित्सक की पत्नी ने कहा कि पुलिस कहती है कि आरोपी अजय नारायण को गिरफ्तार किया तो मेरा कहना है कि उसे गिरफ्तार नहीं किया गया, उसने आत्मसमर्पण किया। सांसद ने कहा कि वह जेल में है ना तो पीड़िता ने कहा कि वे बड़े-बड़े रसूख वाले लोग हैं, दो महीने में छूट जाएंगे।

पीड़िता ने सांसद से कहा कि मेरा आपसे मिलने का मन नहीं था लेकिन मैं आपका सम्मान करती हूं, इसलिए मैं आपसे मिली। मेरे साथ निष्पक्षता से न्याय नहीं हो रहा है। नौकरी के नाम पर मेरे साथ मजाक किया गया। मुझे पांच हजार की नौकरी दी गई। मुझे स्थाई नौकरी चाहिए।

'मेरे साथ शुरू से ही हो रही लीपापोती'

निशा तिवारी ने आगे कहा कि मुझे आपसे और योगी जी से, किसी से भी उम्मीद नहीं है। मेरे साथ शुरू से ही लीपापोती हो रही है। मुझे किसी पर भरोसा नहीं है। मुझे मुआवजे के तौर पर एक करोड़ की राशि योगी सरकार से दिलाने के लिए डीएम ने लिखित आश्वासन दिया था लेकिन मुझे 10 लाख का चेक दिया गया। मैं किसी से भीख नहीं मांग रही हु। मुझे जितने भी आश्वासन दिए गए थे, सब ठंडे बस्ते में डाल दिए गए।

जमीनी मामले में हत्या होने पर कानूनन मुआवजा नहीं दिया जाता : मेनका

इस पर सांसद मेनका गांधी ने कहा कि आपको हमदर्दी के कारण चेक दिया गया, जबकि जमीनी मामले में हत्या होने पर कानूनन मुआवजा नहीं दिया जाता है। जो आपके साथ हुआ, बहुत बुरा हुआ। 40 दिन अभी नहीं बीते हैं, मन को शांत रखो, पूजा-पाठ करो, आपको स्थाई नौकरी मिल जाएगी। सांसद ने आगे कहा कि आपकी कानूनन मदद की गई है और की जा रही है। इस दौरान पूर्व मंत्री ओम प्रकाश पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. सीता शरण त्रिपाठी, जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी, सांसद प्रतिनिधि रणजीत सिंह व रमेश द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

नूंह हिंसा में स्थानीय लोग नहीं थे शामिल, सोशल मीडिया से बिगड़ा था माहौल

» अल्पसंख्यक आयोग की रिपोर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने कहा कि पिछले दिनों हरियाणा के नूंह और कुछ अन्य स्थानों पर हुई हिंसा कोई 'संगठित अपराध' की घटना नहीं थीं। साथ ही आयोग ने कहा कि इसे स्थानीय प्रशासन की विफलता भी नहीं कहा जा सकता, लेकिन उसके स्तर पर कुछ कमियां जरूर रहीं।

आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने कहा कि हिंसा में स्थानीय लोग शामिल नहीं थे। सोशल मीडिया के जरिये फैलाए गए दुष्प्रचार में कुछ नौजवान उत्तेजना के शिकार हो गए, जिस पर समाज को ध्यान देने की जरूरत है। उनके मुताबिक, पिछले दिनों आयोग के एक दल ने हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों तथा प्रशासनिक अधिकारियों से बात की। गत 31 जुलाई को भीड़ के विश्व हिंदू परिषद की शोभायात्रा को रोकने के प्रयास के बाद हुई सांप्रदायिक झड़प में दो होमगार्ड कर्मी सहित छह लोगों की मौत हो गई थी। इसकी आंच गुरुग्राम तक फैल गई थी। लालपुरा ने संवाददाताओं से कहा, आयोग का दल नूंह और सोहना गया था। हमने दोनों समुदायों के लोगों और प्रशासन के अधिकारियों से बात की। लोगों का कहना है कि हिंसा करने वाले लोग बाहरी थे। स्थानीय मुसलमानों ने मंदिरों की रक्षा की तो हिंदुओं ने मस्जिदों की रक्षा की। यह सद्भाव वहां देखने को मिला था। उन्होंने कहा कि यह हिंसा कोई 'संगठित अपराध' की घटना नहीं थी, लेकिन सोशल मीडिया के जरिये किए गए दुष्प्रचार से चीजें बिगड़ीं। लालपुरा ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैं प्रशासन की विफलता नहीं कहूंगा, लेकिन कमियां जरूर थीं। उन्होंने सांसद रमेश बिधूड़ी के विवादित बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा कि संसद के भीतर की जाने वाली टिप्पणी पर वह कुछ नहीं कह सकते, लेकिन सभी को मर्यादा में रहना चाहिए।

अयोध्या मुठभेड़ पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सख्त, जताई नाराजगी

» आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने की थी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने महिला जीआरपी कर्मी के साथ ट्रेन में घटित घटना के क्रम में 22 सितंबर 2023 को अयोध्या में अनीश, आजाद खान तथा विशंभर दयाल दुबे के कथित मुठभेड़ मामले में आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा भेजी शिकायत पर डीजीपी यूपी, डीएम अयोध्या तथा एसएसपी अयोध्या से जवाब मांगा है।

आयोग ने यह भी कहा है कि इन अफसरों ने नियमानुसार इस मुठभेड़ की सूचना आयोग को नहीं भेजी है। अमिताभ ठाकुर ने अपनी शिकायत में कहा था कि पुलिस द्वारा किए जा रहे दावों के विपरीत विशंभर नाथ दुबे की बेटी के अनुसार उनके पिता जब सुबह घर पर सो रहे थे तो एक फर्जी नेम प्लेट की स्कॉर्पियो गाड़ी से कुछ लोगों ने आकर सुबह 5:30 बजे उन्हें घर से उठाकर उनका फर्जी मुठभेड़ किया है। आयोग ने इन अफसरों से घटना के विस्तृत विवरण सहित इससे जुड़े तमाम अभिलेख मांगे हैं. साथ ही घटना को फर्जी बताए जाने के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर की गई कार्रवाई का विवरण भी मांगा है, आयोग ने घटना के संबंध में सूचना नहीं दिए जाने के संबंध में स्पष्टीकरण भी मांगा है।

आप सांसद राघव को अदालती राहत

दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकारी आवास मामले में सुरक्षित रखा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। निचली अदालत ने राज्यसभा सचिवालय को चड्ढा से सरकारी बंगला वापस लेने की मंजूरी दे दी थी।

न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने चड्ढा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी एवं राज्यसभा सचिवालय की ओर से पेश एएसजी विक्रम बनर्जी को सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। दोनों ओर से बुधवार को अपनी-अपनी दलीलें पेश की गईं थीं। बृहस्पतिवार को कोर्ट से कहा कि वे शुक्रवार की शाम तक अपना लिखित संक्षिप्त दलीलें पेश करेंगे। कोर्ट ने इसके बाद कहा कि सुनवाई पूरी हो गई। फैसला सुरक्षित रखा जाता है। राघव चड्ढा ने याचिका में यह निर्देश देने की मांग की है कि राज्यसभा सचिवालय के इस साल 3 मार्च को जारी पत्र को अवैध घोषित किया जाए। निचली अदालत के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुधांशु कौशिक ने 5 अक्टूबर को राघव चड्ढा को दिए अंतरिम राहत वापस ले लिया था।

नवीन जिंदल को विदेश यात्रा की इजाजत

दिल्ली की एक कोर्ट ने कांग्रेस नेता और उद्योगपति नवीन जिंदल को एक बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कोयला ब्लॉक आवंटन में कथित अनियमितताओं से संबंधित तीन मामलों में आरोपी नवीन जिंदल को अमेरिका, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात सहित देशों की यात्रा करने की अनुमति दे दी है। उनकी ये यात्रा 15 से 31 अक्तूबर के बीच होगी। विशेष न्यायाधीश अरुण भारद्वाज ने उन्होंने विदेश जाने की इजाजत दी। जिंदल के आवेदन को यह कहते हुए स्वीकार कर लिया कि वह पहले कई बार विदेश यात्रा कर चुके हैं। कोर्ट के आदेशों का पूरी तरह से पालन किया गया। निर्धारित अवधि के भीतर मुकदमे का सामना करने के लिए भारत लौट आये हैं। न्यायाधीश ने कहा कि तीन मामलों में से, केवल एक मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। अभियोजन पक्ष के साक्ष्य दर्ज किए जा रहे हैं। आरोपी ने पहले ही वचन दिया है कि वह अपनी पहचान पर विवाद नहीं करेंगे और अपनी अनुपस्थिति में की गई कार्यवाई की वैधता पर सवाल नहीं उठाएंगे।

डिकॉक-रबादा ने किया कंगारुओं को पस्त

विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 134 रनों से रौंदा

आराध्य त्रिपाठी

लखनऊ। क्रिकेट के महाकुंभ यानी कि विश्व कप का रोमांच कल पहुंचा नवाबों के शहर लखनऊ में, जहां ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला खेला गया। क्रिकेट प्रशंसकों को इस मैच के रोमांचक होने की उम्मीद थी, लेकिन प्रशंसकों की ये उम्मीद उस समय धुंधली हो गई जब टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दे दिया।

अफ्रीका ने भी इस मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए 50 ओवरों में 7 विकेट पर 311 रनों का अच्छा-खासा स्कोर खड़ा कर दिया। इकाना स्टेडियम में अफ्रीका की तरफ से विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए विश्व कप में अपना लगातार दूसरा शतक जड़ा। 109 रनों की अपनी पारी में डिकॉक 106 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 5 छक्के जड़े। 312 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम ने उम्मीदों के विपरीत खेल दिखाया और दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के आगे कंगारुओं ने पूरी तरह से घुटने टेक दिए। जिसका नतीजा ये रहा कि कंगारुओं की पूरी टीम ही 40.5 ओवरों में 177 रनों पर ऑल आउट हो गई और दक्षिण अफ्रीका ने इस अहम मुकाबले को 134 रनों से अपने नाम कर लिया।

लखनऊ की धरती पर टिम्बा बबुमा की टीम को दोहरी खुशी भी मिली, दो मैचों में दो जीत के साथ अब अफ्रीका विश्वकप के प्वाइंट्स टेबल में नंबर एक पर पहुंच गई है।

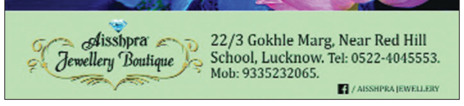

भाजपा ने मप्र को शीर्ष से शून्य पर पहुंचाया : कमलनाथ

» अब तो सीएम मंच पर मौजूद होते हैं नाम भी नहीं लेते लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के इस महासमर में प्रतिदिन नए-नए बयान सुनने को मिल रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने प्रत्याशियों को थका हारा बताने के बाद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को शून्य करार दिया है। नाथ ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि भाजपा की कथनी-करनी में सिर्फ़ फ़र्क़ नहीं बल्कि विरोधाभास भी है। ये एक विरोधाभास ही तो है कि मप्र भाजपा लिख रही है कि असंभव को संभव और शून्य को शिखर बनाने का नाम 'भाजपा' है। जबकि बात और हालात ठीक इसके विपरीत हैं। कमलनाथ ने आगे लिखा कि 18 साल के शासनकाल में यदि भाजपा चाहती तो मप्र के विकास को 'संभव' कर सकती थी, लेकिन भ्रष्टाचार की लिप्तता में व्यस्त रहने की वजह से भाजपा के लिए ऐसा करना असंभव ही रहा। शायद इसीलिए भाजपा ने हालातों को भांपते हुए और जनता के आक्रोश को समझते हुए अपने 'शिखर' नेतृत्व को इस चुनाव में 'शून्य' कर दिया है।

निश्छल लोगों को छलने का काम कर रही कांग्रेस : प्रह्लाद

केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल ने गुरुवार को भोपाल में प्रियंका गांधी के मध्य प्रदेश महिलाओं और आदिवासियों पर अत्याचार में नंबर होने के बयान पर जमकर निशाना साधा। पटेल ने कहा कि नर्मदा की पुण्य भूमि पर प्रियंका गांधी का झूठा बयान और लालच की बातें उनको शोभा नहीं देती। हम नर्मदा किनारे रहने वाले लोग भूख की चिंता नहीं करते। हम सम्मान की पहले चिंता करते है। पटेल ने कहा कि ऐसी झूठी बातें हमारे आदिवासी बंधुओं को रास नहीं आती है। इसलिए मुझे लगता है कि जिस गैर जिम्मेदारी के साथ उन्होंने यह बात कही है उसकी निंदा करने के लिए भी शब्द नहीं है। वह कहती है कि आदिवासियों की संख्या सामने आ जाएगी। भाजपा डर रही है। पटेल ने कहा कि आजादी के बाद आदिवासियों और हरिजनों की गिनती होती रही है। प्रियंका गांधी इतनी अज्ञानी नहीं है, वह जानबुझकर धोखा कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निश्छल लोगों को छलने की प्रियंका गांधी ने कोशिश की है, जिसमें वह सफल नहीं होगी। बता दें प्रियंका गांधी ने मंडला में जनसभा को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने भाजपा की सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। इस पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने पलटवार किया। प्रह्लाद पटेल को भाजपा ने नरसिंहपुर से विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया है।

राहुल और प्रियंका दोनों झूठे : विजयवर्गीय

प्रियंका गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश में एक सभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की परंपरा देखिए- वनाधिकार कानून आपके लिए लाया गया ताकि वनों पर पहला अधिकार आपका हो, क्योंकि यही आपकी संस्कृति है। इसे संरक्षित और मजबूत करने के लिए आपको वन अधिकार कानून दिया गया। इन सब के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस के साथ-साथ प्रियंका गांधी और राहुल गांधी पर भी जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी हो या राहुल गांधी हो झूठ के अलावा वे कुछ भी नहीं हैं। पिछले चुनाव में भी राहुल गांधी ने किसानों को धोखा दिया। कांग्रेस अभी भी धोखा देने का काम कर रही है। भाजपा नेता ने कहा कि कल उन्होंने वन अधिकार के पट्टों को लेकर बोला, वन अधिकार के पट्टे सर्वाधिक भाजपा सरकार ने दिए। वनों में आदिवासियों के अधिकार को भाजपा ने सुरक्षित किया है। कांग्रेस जबरदस्ती झूठ बोलकर भाजपा पर आरोप लगा रही है।

बिखर गए शिखर

पीसीसी चीफ ने आगे ट्वीट में लिखा कि मुख्यमंत्री के मंच पर उपस्थित होते हुए भी किसी को उनका नाम लेने तक की याद नहीं आती, उनके काम की बात करना तो बहुत दूर की बात है। तो फिर ऐसा तथाकथित शिखर किस काम का जो दिखाई न दे। इस विधानसभा चुनाव में मप्र की जनता भाजपा को 'शिखर से शून्य' पर ले आयेगी। भाजपा के राजनीतिक शिखर, बिखर गए हैं।

मेरे पिता का जीवन खतरे में : नारा लोकेश

» चंद्रबाबू के बेटे ने की अमित शाह से मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के महासचिव नारा लोकेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद किसी भी राजनीतिक घटनाक्रम की अटकलों पर विराम लगा दिया है। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू के बेटे ने बताया कि दोनों के बीच बातचीत के दौरान राजनीति से जुड़े किसी भी मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अमित शाह उनसे मिलकर उनके पिता के मामले के बारे में जानना चाहते थे कि यह किस स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने लिखा कि अमित शाह को उन्होंने आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा राज्य मशीनरी के घोर दुरुपयोग, नायडू के खिलाफ शासन के प्रतिशोध और उन्हें जेल में बंद करने की भयावह स्थिति से अवगत कराया, जहां उनका जीवन खतरे में है।

गौरतलब है कि नायडू को सीआईडी ने पिछले महीने कथित तौर पर करोड़ों रुपये के कौशल विकास निगम मामले में गिरफ्तार किया था।अमित शाह से मुलाकात के दिन, उन्होंने उसी की तस्वीरें साझा कीं और कहा,माननीय केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात की। नारा लोकेश ने कहा कि उन्हें केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सूचित किया कि शाह ने उन्हें बैठक के लिए बुलाया था और उन्होंने केवल अपने पिता के मामले के बारे में बात की।

सोनीपत में हादसा, यूपी के पांच लोगों की मौत

» केएमपी पर ट्रक और पिकअप की टक्कर, 11 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत (हरियाणा)। सोनीपत में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे (केएमपी) पर खरखौदा क्षेत्र के गांव पिपली के पास ट्रक और पिकअप की टक्कर हो गई। जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सभी उत्तर प्रदेश के जिला लखीमपुर खीरी के बिजौली स्थित मुर्तजा अली नगर से झज्जर धान काटने जा रहे थे। खरखौदा थाना पुलिस ने तीन शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवाया है।

शहीद पथ पर एक साथ भिड़े चार वाहन, कार सवार की मौत

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे शहीद पथ पर दर्दनाक हादसा हुआ। कानपुर की तरफ से कमता की ओर जा रहे चार वाहन समिट बिल्डिंग के पास टकरा गए। इससे एक कार ट्रक के नीचे आ गई। कार में दो लोग सवार थे।

जिसमें एक की मौके पर मौत हो गई। बुरी तरह से घायल ड्राइवर को अस्पताल ले जाया गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार में फंसे शव को निकालने के लिए उसे काटना पड़ा। मरने वाले की शिनाख्त अभी की जा रही है।

फोटो :4 पीएम

नियुक्तियां निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 219 प्रधानाचार्यों को नियुक्ति पत्र वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

इकाना की अव्यवस्था से लोगों में रहा आक्रोश

» विश्वकप जैसे आयोजन पर भी स्टेडियम प्रशासन की तैयारी अधूरी

» महंगे टिकट की वजह से आमजन परेशान

आराध्य त्रिपाठी

लखनऊ। 12 अक्टूबर 2023 का दिन नवाबों की धरती लखनऊ के लिए काफी यादगार दिन रहा क्योंकि इस दिन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पहली बार आईसीसी क्रिकेट विश्व कप का मैच खेला गया। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए इस मैच को लेकर प्रशंसकों में उत्साह तो काफी था, लेकिन बीसीसीआई द्वारा मैच के महंगे टिकटों ने लोगों की उम्मीदों को तोड़ दिया।

क्योंकि मैच में टिकट के प्राइज इतने थे कि आम आदमी उसे खरीदने की जेहमत ही नहीं कर सका। नतीजा ये रहा कि क्रिकेट विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट के पहले मैच में ही 50 हजार दर्शकों की क्षमता वाले अटल बिहारी बाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 44-45 हजार कुर्सियां तो खाली ही पड़ी रहीं। यानी कि पूरे मैच में सिर्फ 5 से 6 हजार के करीब ही दर्शक मैच देखने पहुंचे।

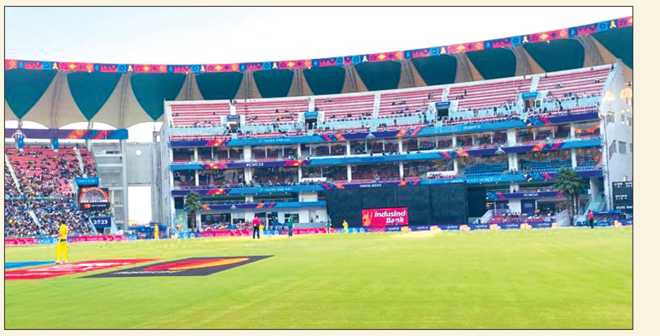

खाली रही कुर्सियां

भारत में क्रिकेट को एक खेल की तरह नहीं बल्कि एक धर्म की तरह माना जाता है। ऐसे में अगर विश्व कप का मुकाबला हो वो भी दो बड़ी टीमों के बीच तो उम्मीद की जाती है कि मैच में दर्शकों की भारी संख्या मौजूद होगी। लेकिन लखनऊ के इकाना स्टेडियम में ऐसा देखने को नहीं मिला। यहां 50 हजार दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में सिर्फ 5 से 6 हजार के करीब ही दर्शक सिर्फ पहुंच सके। यानी कि स्टेडियम की अधिकांश कुर्सियां खाली पड़ी रहीं। नतीजा ये रहा कि मैच का उत्साह भी काफी फीका रहा।

स्टेडियम में पार्किंग की व्यवस्था है खस्ताहाल

इकाना क्रिकेट स्टेडियम में जब भी कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला जाता है तो सबसे बड़ी समस्या जो दर्शकों के सामने आती है, वो वाहन पार्किंग की ही आती है। कल विश्व कप के पहले मैच में भी दर्शकों को इसी समस्या का सामना करना पड़ा। एक तो वाहन पार्किंग को काफी दूर व घुमाके दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर पार्किंग के लिए स्टेडियम के पास कोई ढंग की जगह नहीं है। दो पाहिया वाहनों को ऐसे ही खाली मैदान में खड़ा करने की व्यवस्था थी। जहां पर धूल के सिवा कुछ और नजर ही नहीं आ रहा था। पार्किंग के स्थान पर इतनी धूल व मिट्टी थी कि जब आप वहां से अपना वाहन लेकर निकलेंगे तो अगर गलती से भी आप काली शर्ट या पैंट पहनकर पहुंच गए, तो पार्किंग से निकलते वक्त आप पूरी तरह से सफेद हो जाएंगे। इतने बड़े स्टेडियम में कम से कम पार्किंग की तो बेहतर व्यवस्था होनी ही चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।